RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : सोमवार 08 अप्रैल 2024 | वर्ष 05 | अंक 347 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनसे के 650 पदाधिकारी बीजेपी में करेंगे प्रवेश...

एकतरफ गठबंधन पर चर्चा दूसरी तरफ सेंध?

मुंबई : महायुति पिछले कुछ दिनों से राज ठाकरे की मनसे को अपने साथ लेने की कोशिश कर रही है. एक तरफ बीजेपी गठबंधन का प्रस्ताव दे रही है तो दूसरी तरफ यह दावा किया गया है कि रविवार शाम मुंबई में मुंबई अध्यक्ष विधायक आशीष शेलार और विधान परिषद समूह के नेता विधायक प्रवीण दरेकर की मौजूदगी में मनसे के 650 पदाधिकारी बीजेपी में प्रवेश करेंगे.

लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने मुंबई में मनसे को बड़ा झटका दिया है. मनसे कार्यकर्ताओं समेत सैकड़ों क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आज बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं. प्रवेश समारोह आज मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार और प्रवीण दरेकर की मौजूदगी में होगा. मनसे से भाजपा में शामिल होने वालों में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण मरगज, मंडल अध्यक्ष बाबूभाई पिल्ले, दो मंडल सचिव, पांच उप मंडल अध्यक्ष महिला और पुरुष, दो उप सचिव, 11 पुरुष और महिला शाखा अध्यक्ष, 80 महिला और पुरुष उप प्रमुख शामिल हैं.

राज ठाकरे ने अमित शाह से भी की थी मुलाकात

पिछले कुछ दिनों से बीजेपी और शिवसेना के नेताओं की ओर से राज ठाकरे को महागठबंधन में शामिल कराने की कोशिशें की जा रही हैं. इस बीच दो हफ्ते पहले इस खबर ने जोर पकड़ लिया कि राज ठाकरे महागठबंधन में शामिल होने जा रहे हैं. खुद राज ठाकरे ने भी दिल्ली पहुंचकर अमित शाह से मुलाकात की थी. हालांकि, बाद में ये चर्चाएं कमजोर होती नजर आईं. इस बीच शनिवार को शिंदे गुट के नेता और विधायक संजय शिरसाट अचानक राज ठाकरे के आवास पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की. दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक चर्चा भी हुई. इसलिए राज ठाकरे के महायुति में शामिल होने की चर्चा एक बार फिर शुरू हो गई है. लेकिन, शिरसाट ने कहा है कि हमारी मुलाकात में ऐसी कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई.

मैं भाजपा में लौट रहा हूं...!

घर वापसी पर एकनाथ खडसे का बड़ा बयान...

मुंबई : करीब तीन साल पहले महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व के साथ मतभेद होने पर पार्टी छोड़कर अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में चले गए एकनाथ खडसे ने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह दिल्ली में अपनी मूल पार्टी में शामिल होंगे।

पूर्ववर्ती देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री रहे खडसे ने एक भूमि सौदे के मामले को लेकर 2016 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लंबे इंतजार के बाद शरद पवार की अगुवाई वाली अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने उन्हें अपना सदस्य बनाया था। खडसे ने कहा कि कुछ घटनाक्रमों को लेकर उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी थी। वह इस समय राकांपा (शरदचंद्र पवार) के विधान परिषद सदस्य हैं। एक समय महाराष्ट्र में भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार रहे खडसे (71) ने कहा, मैं भाजपा में लौट रहा हूं। मैंने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से संपर्क किया और पार्टी में लौटने की इच्छा जताई। मैं अगले सप्ताह दिल्ली में औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो जाऊंगा।

दादर : नशे में धुत्त पिता ने 23 वर्षीय बेटी पर चाकू से किया हमला

मुंबई : दादर पुलिस ने 6 अप्रैल को नशे की हालत में अपनी 23 वर्षीय बेटी पर चाकू से हमला करने और उसे घायल करने के आरोप में एक व्यक्ति, सतीश धुरी को गिरफ्तार किया। यह घटना तब हुई जब महिला ने उसे शराब पीने से रोकने की कोशिश की। घायल हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इलाज चल रहा है.पुलिस के मुताबिक, बाप-बेटी गोखले रोड स्थित एक बिल्डिंग में रहते हैं। आरोपी

सेवानिवृत्त है और अब कोई काम नहीं करता। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है जब आदमी नशे की हालत में घर लौटा। पुलिस ने बताया कि महिला द्वारा अपने पिता के शराब पीने का विरोध करने पर विवाद हो गया।मुंबई। दादर पुलिस ने 6 अप्रैल को नशे की हालत में अपनी 23 वर्षीय बेटी पर चाकू से हमला करने और उसे घायल करने के आरोप में एक व्यक्ति, सतीश धुरी को गिरफ्तार किया। यह घटना तब हुई जब महिला ने उसे शराब पीने से रोकने की कोशिश की।

घायल हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इलाज चल रहा है.पुलिस के मुताबिक, बाप-बेटी गोखले रोड स्थित एक बिल्डिंग में रहते हैं।

सुलेमान उस्मान मिठाईवाला का लाइसेंस निलंबित FDA ने इसे 2 अप्रैल से 10 अप्रैल तक परिचालन बंद करने का निर्देश दिया

मुंबई: राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मोहम्मद अली रोड पर स्थित लोकप्रिय बेकरी सुलेमान उस्मान मिठाईवाला का लाइसेंस स्वच्छता संबंधी कमियों, बेकार खाद्य पदार्थों के अनुचित निपटान और कर्मचारियों की अपर्याप्त स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ अन्य उल्लंघनों के कारण निलंबित कर दिया है। खाद्य नियामक निकाय ने इसे 2 अप्रैल से 10 अप्रैल तक परिचालन बंद करने का निर्देश दिया है।

FDA अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने जनवरी में खाद्य सुरक्षा अनुपालन प्रणाली (FosCos) पर रेस्तरां द्वारा अपलोड की गई ऑनलाइन छवियों के माध्यम से उल्लंघनों की पहचान की। FSSAI द्वारा प्रबंधित यह वेब पोर्टल खाद्य लाइसेंसिंग और पंजीकरण के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इसके बाद फरवरी में एक भौतिक निरीक्षण किया गया, जिसमें ऋष्ठअ ने कई उल्लंघनों की ओर इशारा किया।

महाराष्ट्र में मच्छर जनित रोगों से लोगों की सेहत पर बढ़ा प्रकोप... 3,500 से अधिक मामले

मुंबई: महाराष्ट्र में मच्छर लोगों की सेहत बिगाड़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के पहले 3 महीने में राज्य में डेंगी, मलेरिया और चिकनगुनिया से 3,500 से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सेहत पर जोर देने की बात हो रही है, लेकिन आज भी मच्छर लोगों के स्वास्थ्य पर हावी हो रहे हैं। पिछले साल राज्य में 36,857 लोग मच्छर जनित रोग से ग्रसित हुए थे, इनमें सबसे ज्यादा डेंगी के मामले रिपोर्ट हुए थे। डेंगी के मामले में महाराष्ट्र ने रिकॉर्ड दर्ज किया था।

इस साल भी मच्छरों का का प्रकोप देखने को मिल रहा है। जनवरी से लेकर मार्च तक मलेरिया से 2,038, डेंगी से 1,220 और चिकनगुनिया से 330 लोग प्रभावित हुए हैं। जानकारों का कहना है कि तो मॉनसून के पहले ही इतने मामले मिल रहे हैं, तो मॉनसून में प्रभावितों की संख्या काफी इजाफा होगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि पिछले साल से रिपोर्टिंग और सर्विलांस काफी अच्छी हो गई है।

सरकारी के अलावा, निजी अस्पताल और लैब भी रिपोर्ट कर रहे हैं। राज्य में मलेरिया की टेस्टिंग के लिए अनेक लैब हैं, लेकिन हमने डेंगी की जांच के लिए 50 सेंटिनल सेंटर तैयार किए हैं, जहां टेस्टिंग होती है। डायग्नोस्टिक और रिपोर्टिंग सिस्टम सशक्त होने के कारण केस ज्यादा लग रहे हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के वेक्टर बोर्न डिजीज के प्रमुख डॉ. महेंद्र जगताप ने बताया कि लोगों में होने वाले कुल बीमारियों में से 17 फीसदी बीमारियां मच्छर जनित होती हैं। इससे यह पता चलता है कि आज भी मच्छर के काटने से होने वाले रोग लोगों के स्वास्थ्य को कितना प्रभावित करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र हो या शहर मच्छर की मौजूदगी हर जगह है, लेकिन 60 फीसदी मच्छर जनित रोग शहरों से रिपोर्ट होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि लोग आज भी पानी को टंकी में जमा करके रखते हैं। यदि उसे ठीक से ढका न जाए, तो साफ पानी में ही डेंगी और मलेरिया के मच्छर पनपते हैं। एक्सपर्ट्स और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मच्छर जनित रोग को कम करने के लिए प्रशासन और नागरिक दोनों को एक-दूसरे के साथ की जरूरत है। प्रशासन स्तर पर मच्छर को कंट्रोल करने के लिए फॉगिंग, ब्रीडिंग स्पॉट ढूंढने के लिए मैनपावर की जरूरत है। वहीं, आम जन को भी अपने आस पास कूड़ा नहीं जमा करना चाहिए, खासकर जिसमें पानी जमा हो सके। टंकी को ढक कर रखना चाहिए, ताकि मच्छर ब्रीड न कर पाएं।

संपादकीय / लेख

जलवायु मुद्दे और मौद्रिक नीति

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारतीय रिजर्व बैंक की इस वित्त वर्ष में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पहली बैठक ने किसी को चकित नहीं किया। रिजर्व बैंक के गवर्नर का वक्तव्य, मौद्रिक नीति संकल्प तथा नीति प्रस्तुत होने के बाद मीडिया के साथ संवाद में रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने यही कहा कि एमपीसी टिकाऊ आधार पर 4 फीसदी मुद्रास्फीति दर के कानूनी अनुदेश का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बात का स्वागत किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप एमपीसी ने नीतिगत रीपो दर को लगातार सातवीं बार 6.5 फीसदी के स्तर पर अपरिवर्तित रहने दिया। चूंकि एमपीसी ने चालू वर्ष में अर्थव्यवस्था के 7 फीसदी की दर से विकसित होने का अनुमान जताया है, ऐसे में यह लगातार चौथा वर्ष होगा जब कम से कम 7 फीसदी की वृद्धि दर हासिल होगी। यह केंद्रीय बैंक को पर्याप्त नीतिगत गुंजाइश मुहैया कराता है कि वह मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करे और अवस्फीति की प्रक्रिया को पूरा होने दे। वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों अपेक्षाकृत अनुकूल हैं और टिकाऊ आधार पर चार फीसदी की मुद्रास्फीति दर हासिल करने की बात बाजार प्रतिभागियों द्वारा समझी जा सकती है परंतु यह आकलन भी करना होगा कि लक्ष्य कब तक हासिल होने की संभावना है। मौद्रिक नीति समिति का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति की दर औसतन 4.5 फीसदी रहेगी जो लक्ष्य से ऊपर है। एमपीसी में तथा अन्य जगह यह दलील दी गई है कि 2 फीसदी की वास्तविक नीतिगत दर वृद्धि निष्कर्षों को क्षति पहुंचा सकती है। परंतु समिति का एक नजरिया यह भी है कि वास्तविक नीतिगत दर को मुद्रास्फीति के साथ देखा जाना चाहिए जिसके चालू वित्त वर्ष में लक्ष्य से ऊपर बने रहने की उम्मीद है। ऐसे में एमपीसी कितने समय तक रीपो दर को 6.5 फीसदी के स्तर पर बनाए रखेगी? मौद्रिक नीति रिपोर्ट भी गत सप्ताह जारी की गई थी और उसमें भी कुछ दिलचस्प संकेत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य मॉनसून और किसी नीतिगत झटके के सामने न आने की संभावना के साथ ढांचागत मॉडल यही बताता है कि 2025-26 तक मुद्रास्फीति की दर औसतन 4.1 फीसदी रहेगी। पेशेवर अनुमान लगाने वालों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कमी आ सकती है।

वृद्धि के मोर्चे पर राहत को देखते हुए यह संभव है कि एमपीसी शायद इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त होना चाहे कि मुद्रास्फीति टिकाऊ आधार पर लक्ष्य के करीब रहेगी और उसके बाद ही वह मौद्रिक राहत की दिशा में बढ़े। मुद्रास्फीति का तय लक्ष्य हासिल करने में मुख्य समस्या खाद्य कीमतों की अस्थिरता की वजह से देखने को मिल रही है। उदाहरण के लिए फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति की दर 7.8 फीसदी थी और इसने हेडलाइन दर में 70 फीसदी योगदान किया। कोर मुद्रास्फीति 3.4 फीसदी के साथ चालू श्रृंखला में निचले स्तर पर रही। खाद्य कीमतों की अस्थिरता का अनुमान लगाना हमेशा मुश्किल होता है। खासतौर पर अतिरंजित मौसम की घटनाओं को देखते हुए। हकीकत तो यह है कि खाद्य कीमतों की अस्थिरता निकट भविष्य में और मुश्किल हालात पैदा कर सकती है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

स्लैब गिरने के मामले में फ्लैट मालिक और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज

वाशी : सेक्टर-29 की सुदामा सोसायटी में फ्लैट नंबर 202 के हॉल में पहली मंजिल पर स्लैब गिरने की घटना के बाद वाशी पुलिस ने संबंधित फ्लैट मालिक और जिम्मेदार ठेकेदार दोनों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है। घटना। वाशी सेक्टर-29 की सुदामा सोसायटी में फ्लैट नंबर 202 में मरम्मत का काम शुरू। सदर फ्लैट के हॉल में नई लादी लगाए जाने के चलते शुक्रवार को मजदूर सदर फ्लैट से पुरानी लादी हटाने के लिए बड़े हथौड़े से टाइल्स तोड़ने का काम कर रहे थे। इससे उक्त फ्लैट का फर्श हिल गया और उक्त फ्लैट की पहली मंजिल का स्लैब पहली मंजिल के फ्लैट नंबर 101 पर गिर गया। गनीमत यह रही कि जिस हॉल में स्लैब गिरा, वहां कोई मौजूद

नहीं था। इसलिए, इस दुर्घटना में कोई भी घायल या हताहत नहीं हुआ।

घटना के बाद पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि जब फ्लैट नंबर 202 में सौंदर्यीकरण का काम चल रहा था, तब ठेकेदार करण कुमार बिस्वाल ने उचित सुरक्षा सावधानी नहीं बरती थी। यह भी पाया गया कि श्रमिकों के माध्यम से एक बड़े हथौड़े से टाइलें तोड़ने के बाद वह हॉल नंबर 101 में गिर गया और उक्त फ्लैट में फर्श हिल गया। वाशी पुलिस ने फ्लैट नंबर 201 के मालिक और ठेकेदार करण कुमार बिस्वाल दोनों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है क्योंकि यह पाया गया है कि फ्लैट नंबर 101 में रहने वाले परिवार के सदस्यों की सुरक्षा को खतरा है क्षतिग्रस्त।

इसी बीच 23 अगस्त 2023 को नेरुल सेक्टर-6 सरसोले में तुलसी भवन बिल्डिंग की तीसरी मंजिल का स्लैब नीचे की मंजिल पर गिरने की घटना घटी। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। 11 जून 2022 को नेरुल सेक्टर-17 में छह मंजिला इमारत जिमी पार्क के ए-विंग की छठी मंजिल पर हॉल का स्लैब एक के बाद एक ग्राउंड फ्लोर पर गिरने की घटना हुई थी। इस हादसे में 29 साल के एक युवक की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए।

दुबई में फरार कारोबारी पर ईडी की कार्रवाई, करोड़ों की संपत्ति जब्त!

पुणे: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पुणे में वीआईपीएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक के खिलाफ कार्रवाई की है। मल्टी लेवल मार्केटिंग स्कीम के जरिए निवेशकों से धोखाधड़ी करने वाले पुणे स्थित विनोद खुटे पर ईडी ने जुमार्ना लगाया है। ईडी ने वीआईपीएस ग्रुप ऑफ कंपनीज की संपत्ति 24 करोड़ 41 लाख रुपये बताई है। विनोद कुटे दुबई में फरार है। इस मामले में ईडी के सहायक निदेशक रत्नेश कुमार भुवनेश्वरलाल ने पुणे के भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। विनोद तुकाराम खुटे, संतोष तुकाराम खुटे, मंगेश खुटे, किरण पीतांबर अनारसे, अजिंक्य बधे और अन्य पर निवेशकों को धोखा देने का मामला दर्ज किया गया है। ईडी ने जून में पुणे, मुंबई और अहमदाबाद में वीआईपीएस समूह के कार्यालयों पर छापा मारा था।

3 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न, इलेक्ट्रीशियन को 20 साल की जेल

मुंबई: यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा के लिए एक विशेष अदालत ने 6 अप्रैल को साढ़े तीन साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 35 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन को 20 साल कैद की सजा सुनाई। अक्टूबर 2019 में अपनी माँ के साथ उसके पड़ोस में अपनी चाची से मिलने गई।लड़की की चाची मेजेनाइन फ्लोर पर रहती थी जबकि आदमी ग्राउंड फ्लोर पर रहता था। 18 अक्टूबर, 2019 को, जब बच्चे की माँ और परिवार के अन्य सदस्य घर पर थे, वह अपने चार वर्षीय चचेरे भाई के साथ खेलने के लिए बाहर गई थी।आरोपी ने पीड़िता को आइसक्रीम खिलाई और अपने घर ले गया। लड़की के चचेरे भाई ने जाकर उसकी मां से शिकायत की कि आरोपी ने उसे कोई आइसक्रीम नहीं दी, बल्कि लड़की को अपने घर के अंदर ले गया और दरवाजा बंद कर लिया।

लड़की की मां ने पहले चचेरे भाई को नजरअंदाज करते हुए कहा कि वह उसके लिए आइसक्रीम लाएगी और उसे जाकर खेलने के लिए कहा। हालांकि, बाद में उसने अपनी बेटी के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनी और उसे ढूंढते हुए नीचे आई। जब उसे पता चला कि उसकी बेटी उस आदमी के घर में है, तो उसने दरवाजा खटखटाया, उसने दरवाजा खोला और लड़की रोते हुए बाहर आई। जब उसकी मां ने पूछा कि वह क्यों रो रही है, तो लड़की ने उन्हें बताया कि उस आदमी ने उसके कपड़े उतार दिए थे और उसके साथ मारपीट की थी। मां ने बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर दाने देखे और फिर आरोपी को थप्पड़ मारकर पुलिस स्टेशन ले गई.

मुकदमे के दौरान, वह आठ साल की थी और उसे याद नहीं था कि वह पुलिस स्टेशन या अस्पताल गई थी। अदालत ने पीड़िता की मां की गवाही पर भरोसा किया, जिसकी स्वतंत्र रूप से एक पड़ोसी ने पुष्टि की थी। हालाँकि, आरोपी ने कहा कि उसे पीड़िता की चाची ने झूठा फंसाया था क्योंकि उनके बीच अक्सर झगड़े होते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि लड़की की चाची का परिवार अजीब समय पर उनके परिवार की नींद में खलल डालता था।अदालत ने आरोपी की दलीलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ''वर्तमान अभियोजन पक्ष से पहले किसी भी समय किसी भी झगड़े या विवाद के तथ्य की पुष्टि करने के लिए रिकॉर्ड पर रत्ती भर भी सबूत नहीं है''।

मुंबई क्राइम ब्रांच आरोपी हवाला ऑपरेटर को ड्रग्स केस में गिरफ्तार किया

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच ने 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह हवाला ऑपरेटर है। उस पर ड्रग डीलरों और सांगली फैक्ट्री ड्रग बस्ट मामले से जुड़े वांछित संदिग्धों के साथ संबंध रखने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति जेशभाई मोटाभाई ने कथित तौर पर ड्रग डीलरों द्वारा मेफेड्रोन की बिक्री से प्राप्त नकदी को हवाला चैनलों के माध्यम से कथित मास्टरमाइंड और एमडी निमार्ता प्रवीण उर्फ नागेश रामचंद्र शिंदे, 34, को दिया।

शिंदे मोटाभाई से नकदी वापस लेने के लिए मुंबई के कालबादेवी में अक्सर जाता था। शुरूआती पूछताछ में पता चला कि शिंदे ने हाल के महीनों में मोटाभाई से करीब 8 करोड़ रुपये जमा किए थे। हाल ही में, उसने 3.46 करोड़ रुपये हासिल किए और उसे भिवंडी में अपने दोस्त के घर पर रख दिया। 30 मार्च को, अपराध शाखा ने दोस्त के ठिकाने पर छापा मारा, जहाँ पुलिस उपायुक्त दत्ता नलवाडे ने मामले के सिलसिले में नकदी जब्त होने की पुष्टि की।

सीबीआई की जांच में ड्रग नेक्सस में मोटाभाई की भूमिका का खुलासा हुआ

क्राइम ब्रांच यूनिट 7 द्वारा सांगली में फैक्ट्री पर छापा मारने और शिदे और उसके साथियों को पकड़ने के कुछ ही समय बाद मोटाभाई गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित डीसा शहर में अपने गृहनगर भाग गया। हमने उसका पीछा किया और मुंबई में उसकी मौजूदगी का पता चलने पर पुलिस की एक टीम ने उसका पता लगाया और उसे वहीं से पकड़ लिया, नलवाडे ने कहा । वह पिछले दो सालों से ड्रग डीलर और एमडी निमार्ता शिंदे के साथ काम कर रहा था और उसने अपने मोबाइल फोन से पूरा डेटा डिलीट कर दिया था। हमने ड्रग डीलर और उसके पूरे नेक्सस की भी पहचान कर ली है और जल्द ही हम उन्हें गिरफ्तार कर लेंगे, अधिकारी ने कहा। अधिकारी ने कहा कि उसे अदालत में पेश किया गया और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

जंगलों में बढ़ती पेड़ों की कटाई, अतिक्रमण, जंगलों में आग लगाने के कारण वन संपदा नष्ट...

वसई : वसई विरार का क्षेत्र एक दर्शनीय क्षेत्र है। इस क्षेत्र से सटा हुआ एक बड़ा वन क्षेत्र है। इसमें विशेष रूप से तुंगारेश्वर का संरक्षित अभयारण्य शामिल है। यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों, विभिन्न प्रजातियों के दुर्लभ वृक्षों से समृद्ध था। वसई के पूर्वी हिस्से में पर्वत श्रृंखलाएं और वहां के जंगलों में बढ़ती पेड़ों की कटाई, अतिक्रमण, जंगलों में आग लगाने के कारण वन संपदा नष्ट होने लगी है। वसई विरार पूर्व के वन क्षेत्र में हर साल आग लगने की घटनाएं होती हैं। विशेष रूप से, यह अक्सर स्पष्ट हो गया है कि ये आग मानव निर्मित हैं और शिकार के लिए लगाई गई हैं। आग की इन बढ़ती घटनाओं का वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर बड़ा असर पड़ा है। और परिणामस्वरूप वन्य जीवन स्वयं खतरे में है। आग के डर से कई जंगली जानवर घूमकर इंसानी बस्तियों में घुसने लगे हैं।

दूसरी ओर, बड़े पैमाने पर वनों की कटाई शुरू हो गई है। वन क्षेत्रों में वन तस्करों के साथ-साथ भू-माफियाओं द्वारा अवैध निर्माण भी सामने आये हैं। कई स्थानों पर भू-माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई कर उस स्थान को मिट्टी

से भरकर अवैध निर्माण करना शुरू कर दिया है। चूंकि वन अधिकारियों द्वारा इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, इसलिए इसकी मात्रा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसके अलावा वन क्षेत्र में झरने, छोटे-छोटे आश्रम और नए बन रहे मंदिरों के कारण भी पर्यटक यहां बड़ी संख्या में आते हैं। पर्यटकों के साथ आने वाले वाहनों से होने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण का सीधा असर पशु-पक्षियों पर पड़ता है। तेज आवाज से जंगली जानवर असुरक्षित महसूस करते हैं और सड़क पर आ जाते हैं और कभी-कभी अपनी जान भी गंवा देते हैं। अगर जंगली जानवरों के रहने वाले स्थानों पर इस तरह की चीजें शुरू हो जाएंगी तो जंगली जानवर कहां जाएंगे, यह सवाल उठने लगा है। शहरी क्षेत्रों में अक्सर जंगली जानवर आते देखे जाते हैं। पिछले साल तेंदुआ विरार कोपर, भटाणे, वैतरणा जैसे वन क्षेत्र के निकटवर्ती इलाकों में घूमने लगा था। उस समय घर के सामने दुधारू पशुओं और कुत्तों के शव फेंके जाते थे।

अब ये जंगली जानवर केवल वन बेल्ट तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी अतिक्रमण कर रहे हैं। कुछ दिनों से वसई के ऐतिहासिक किले में तेंदुए के घुसने से नागरिकों में डर का माहौल है। वन विभाग उसकी तलाश कर रहा है। यह एक तरह से खतरे की घंटी है क्योंकि जंगली जानवर अब सीधे इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं। चूँकि जंगल की सारी वन संपदा नष्ट हो रही है, ये जानवर कहाँ जायेंगे? जंगल में दिन-ब-दिन हो रहे बदलाव के कारण पानी के प्राकृतिक जलस्रोत भी नष्ट होते जा रहे हैं। इसलिए, पीने के पानी की तलाश में भी जानवर शहरी इलाकों में फंस जाते हैं। वन्य जीवों का अस्तित्व कम होने लगा है।

कल्याण में पत्रीपुला पर दो घंटे तक वाहनों की कतारें

कल्याण : कल्याण के पत्रीपुला के पास कंक्रीट सड़क के काम के लिए ट्रैफिक विभाग ने रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक ही काम की इजाजत दी है। इतने कम समय में सड़क का काम तेज कर पाना ठेकेदार के लिए संभव नहीं है। इसके चलते पैट्रिपूल वाहन पिछले सप्ताह से दुविधा में फंसा हुआ है। शनिवार की शाम पत्री पुल पर दो घंटे तक वाहन फंसे रहे। शनिवार और रविवार को छुट्टी होने के कारण कई नागरिक घूमने के लिए पुणे, अलीबाग जाते हैं। ऐसे तमाम वाहनों और उनमें भारी ट्रैफिक के कारण शनिवार शाम को वाहनों की कतारें लग गई। सबसे ज्यादा परेशानी

छुट्टियों पर बाहर गए नागरिकों को हुई। इस ट्रैफिक जाम के कारण कल्याण पूर्व और पश्चिम शहर की आंतरिक सड़कें वाहनों से भर गईं।

कल्याण डोंबिवली नगर पालिका की सिटी इंजीनियर अनीता परदेशी ने इस दुविधा से बचने के लिए परिवहन विभाग को एमएसआरडीसी का समय रात 10 बजे से बढ़ाकर सुबह 8 बजे तक करने की सलाह दी है। इस पर अमल नहीं होने से इसका असर वाहन चालकों पर पड़ रहा है। पैट्रिपूल क्षेत्र में कंक्रीटिंग के लिए कुल चार सड़कों की योजना बनाई गई है। अगर काम इसी धीमी गति से चलता रहा तो मानसून शुरू होने के बाद भी ये चारों काम पूरे नहीं हो पाएंगे। परदेशी ने इन कार्यों को 30 अप्रैल तक पूरा करने का सुझाव दिया है। छुट्टियों का मौसम शुरू हो गया है। कई नागरिक अब अपने पैतृक गांव कोंकण जाने के लिए वाहन से निकल पड़े हैं। इस दुविधा में उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय निवासी इस दुविधा से परेशान हैं।

सिर पर क्रेन का हुक गिरने से एक मजदूर की मौत, पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज...

पुणे: स्ट्रीट लाइट के खंभे को हटाते समय क्रेन का हुक सिर पर गिरने से एक श्रमिक की मौत के मामले में समर्थ पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हादसा बुधवार (3 अप्रैल) को नाना पेठ के डोके तालीम चौक पर हुआ। मृतक श्रमिक की पहचान पांडुरंग अमृतराव म्हस्के (उम्र 35 वर्ष, वर्तमान में धनकवाड़ी, मूल रूप से जालना निवासी) के रूप में की गई है। रेवन तुलसीदास नाथ (उम्र 28, निवासी गाडीताल हडपसर), फैयाज इदरीस अहमद उर्फ इम्तियाज (उम्र 24, निवासी मंगलवार पेठ), सीमा जंभाले (उम्र 45, निवासी येरवडा), बाबू शिंदे (निवासी धनकवाड़ी) को म्हस्के की मौत के लिए जिम्मेदार पाया

गया।), योगेश बबन म्हस्के (शेष शेवालवाडी, हडपसर) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपनिरीक्षक अक्षय कुमार गोराड ने समर्थ थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

बुधवार (3 अप्रैल) सुबह नाना पेठे के डोके तालीम इलाके में स्ट्रीट लाइट पोल हटाने का काम किया जा रहा था। यह काम ठेकेदार को सौंपा गया था। म्हस्के, एक इलेक्ट्रीशियन, एक ठेकेदार द्वारा नियुक्त किया गया था। स्ट्रीट लाइट पोल को हटाने का काम जम्बाले क्रेन सर्विस को सौंपा गया था। यह काम पूरा होने के बाद म्हास्के वहां रखी सामग्रियों को इकट्ठा कर रहे थे। अचानक क्रेन का लोहे का हुक टूट गया और म्हस्के के सिर पर गिर गया। सिर पर गंभीर चोट लगने से म्हस्के की मौत हो गई। क्रेन पर मौजूद ऑपरेटर और मालिक को पता था कि क्रेन के हुक से जुड़ा लोहे का तार खराब हो गया है। कार्यस्थल पर कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। क्रेन का हुक जोर से खींचा, म्हस्के को नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह जानता था कि यह काम कर रहा था। इसके चलते जांच में पता चला कि म्हस्के की मौत सिर में हुक टूटने से हुई है।

नवी मुंबई पुलिस आक्रामक... अनाधिकृत निर्माण के मामले में केस दर्ज किया गया है

मुंबई : किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए नवी मुंबई नगर निगम की पूर्व अनुमति के बिना आरसीसी के अवैध निर्माण के आरोप में रबाले पुलिस स्टेशन में हंसराम चौधरी नामक डेवलपर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण उपायुक्त डॉ। घनसोली विभाग के अतिक्रमण उपयंत्री रोहित ठाकरे ने राहुल गेठे के आदेश पर और घनसोली प्रभाग अधिकारी संजय तायडे के मार्गदर्शन में रबाले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसके मुताबिक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

यह बताया गया कि नगर निगम से किसी भी प्रकार की निर्माण अनुमति प्राप्त किए बिना घनसोली, समथरगढ़ में 22 बाय 16 मीटर के भूखंड पर अनधिकृत आरसीसी निर्माण प्रगति पर था। 2023 में, नवी मुंबई नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट विभाग कार्यालय से अवैध निर्माण करने वाले डेवलपर हंसराम चौधरी को नोटिस जारी किया।

इस अनाधिकृत निर्माण को रोकने का भी आदेश दिया गया; हालांकि, नगर निगम के इस नोटिस के बाद भी संबंधित व्यक्ति ने निर्माण कार्य जारी रखा। इसलिए, घनसोली अतिक्रमण उप अभियंता रोहित ठाकरे ने रबाले पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ट्रक की चपेट में आने से 72 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर की मौत

भिवंडी: चाय की दुकान पर जा रही भिवंडी की एक 72 वर्षीय महिला की तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना 23 मार्च को सुबह करीब 7.30 बजे भिवंडी राज्य परिवहन बस डिपो के पास हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 72 वर्षीय शारदा दत्तू एकबोटे के रूप में हुई है, जो भिवंडी में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करती थी और अपने बेटे राजेश एकबोटे के साथ भिवंडी निजामपुरा शहर नगर निगम के पुनर्वास केंद्र में रहती थी। 23 मार्च की सुबह, शारदा पास की एक दुकान से चाय लाने के लिए पुनर्वास केंद्र से निकली। वह सड़क पार करने का इंतजार कर रही थी तभी वाडा रोड की ओर जा रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसके पैरों और हाथों में गंभीर चोटें आईं।

निवासियों और राहगीरों ने घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया और उसे भिवंडी के इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसके घावों का इलाज किया और उसे आगे के इलाज के लिए ठाणे सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसी दिन उनका निधन हो गया। बाद में शारदा के बेटे राजेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया क्योंकि अस्पताल उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। आरोपी ड्राइवर पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (ए) (लापरवाही से मौत), 279 (तेज ड्राइविंग) और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

5 अप्रैल को, मामला निजामपुरा पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि पुनर्वास केंद्र जहां मृतक रहता था, उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। 'हमने अभी तक ट्रक के ड्राइवर को गिरफ्तार नहीं किया है। हम एक नोटिस जारी करेंगे जिसमें उन्हें पहले पुलिस स्टेशन में उपस्थित होने के लिए कहा जाएगा और आपराधिक कार्यवाही बाद में शुरू की जाएगी, 'निजामपुरा पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक दत्तात्रेय बडगिरे ने कहा।

नाबालिग बलात्कार के आरोप में 19 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई: सीखने में अक्षमता वाली एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में अंधेरी पुलिस ने शुक्रवार को एक 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता तीन महीने की गर्भवती है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पॉक्सो एक्ट और आईपीसी के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बताया कि पीड़िता 15 साल की है और आरोपी उसके पड़ोस में रहता है। न्यूज नेटवर्क मुंबई पुलिस ने 54 लाख रुपये की हेरोइन पहुंचाने के आरोप में उत्तराखंड के एक 25 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सायन-माहिम लिंक रोड पर 270 ग्राम जब्त किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत जांच चल रही है.

साइबर अपराधियों ने २ लाख रुपये उड़ाए; 18 वर्षीय युवक ने कर ली आत्महत्या

वसई : नालासोपारा के एक 18 वर्षीय युवक ने साइबर स्कैमर्स द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी के कारण जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मां के मोबाइल फोन में खेलते समय गलती से एक लिंक खुल गया और साइबर शातिर ने दो लाख रुपये उड़ा दिए। इस डर से कि इससे उसके पिता नाराज हो जायेंगे, उसने आत्महत्या कर ली। अविनाश रॉय (40) अपनी पत्नी और दो बच्चों गौरव (18) भोला (15) के साथ नालासोपारा पूर्व के धनिवबाग में ओम जीडीएस कॉलोनी में रहते हैं। बड़ा बेटा गौरव नालासोपारा के कुमारी विद्यामंदिर स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता था। छुट्टी पर होने के कारण उसने गेम खेलने के लिए अपनी मां का मोबाइल ले लिया था। बुधवार को उनके मोबाइल पर एक लिंक आया। गलती से उसने वह लिंक खोल लिया। लेकिन वह फर्जी लिंक साइबर बदमाशों ने भेजा था। लिंक खोलते ही साइबर अपराधियों ने गौरव का मोबाइल फोन हैक कर लिया। यह मोबाइल उसके पिता के बैंक खाते से लिंक था। साइबर अपराधियों ने मोबाइल फोन हैक कर पिता के बैंक खाते से दो लाख रुपये उड़ा लिये। इस बात से गौरव काफी डर गया। उससे अनजाने में गलती हो गई थी। उसे डर था कि इस बात का पता चलने पर उसके पिता क्रोधित हो जायेंगे और उसे मार डालेंगे। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। इसलिए दोपहर करीब तीन बजे उसने कीटनाशक खा लिया। कुछ देर बाद उसके सीने में दर्द होने लगा।

पड़ोसियों ने गौरव को इलाज के लिए वसई के एवरशाइन स्थित निजी अस्पताल आइकॉनिक मल्टीस्पेशलिटी में भर्ती कराया। लेकिन वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में अचोले पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। इस संबंध में जब गौरव के पिता अविनाश रॉय से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कुछ भी कहने के मूड में नहीं हैं। प्रारंभिक जानकारी मिली थी कि साइबर शातिर ने मोबाइल फोन पर एक लिंक भेजा और उसे हैक कर उनके पिता के खाते से दो लाख उड़ा लिये। तदनुसार, हमने गलत मौत का मामला दर्ज किया है। हालाँकि, चूंकि अपराध पेल्हार पुलिस क्षेत्र में हुआ था, इसलिए इसे आगे की जांच के लिए पेल्हार पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित किया जा रहा है, अचोले पुलिस स्टेशन के जांच अधिकारी योगेश मदाने ने बताया।

जहां तक संभव हो माता-पिता को बच्चों के हाथ में बैंक खाते से जुड़े मोबाइल फोन नहीं देने चाहिए। पुलिस उपायुक्त जयंत बाजबले ने इसे देते समय सावधानी बरतने की अपील की है। बजबले ने यह भी कहा कि बच्चों को बैंक पासवर्ड नहीं दिया जाना चाहिए, फेस आईडी जैसी सुविधाओं का उपयोग करके बैंक खातों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। अगर आप 24 घंटे के भीतर साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करते हैं, तो आपको पैसे वापस मिल जाएंगे।

बीएमसी ने सार्वजनिक सुरक्षा के लिए पूरे शहर में मानसून-पूर्व वृक्षों की छंटाई की गतिविधियां शुरू कीं

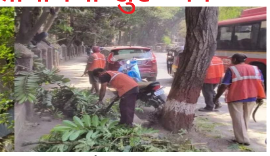

मुंबई: जैसे-जैसे मानसून का मौसम नजदीक आ रहा है, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का उद्यान विभाग नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मानसून-पूर्व गतिविधियों को पूरी लगन से अंजाम दे रहा है। भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान पेड़ों से होने वाले संभावित खतरों को कम करने के उद्देश्य से, विभाग ने शहर भर में पेड़ों की छंटाई के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है।

बीएमसी के हालिया अपडेट से पता चलता है कि प्री-मानसून कार्यों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आज तक, लगभग 12,467 पेड़ों की छंटाई की जा चुकी है, जो सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा की दिशा में एक सक्रिय कदम है। हालाँकि, कार्य की विशालता को समझते हुए, बीएमसी ने 7 जून, 2024 से पहले कुल 111,670 पेड़ों की छंटाई का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक भूषण गगरानी के निर्देश पर बीएमसी के विभिन्न विभाग प्री-मानसून कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए संसाधन जुटा रहे हैं। अतिरिक्त नगर आयुक्त (पूर्वी उपनगर) डॉ. अमित सैनी और उपायुक्त (उद्यान) किशोर गांधी कार्यों की देखरेख कर रहे हैं और निर्धारित समयसीमा का पालन करने के महत्व पर जोर दे रहे हैं।

दोस्त द्वारा हत्या, खदान में मिली लाश का रहस्य सुलझा...

वसई : जनवरी माह में नालासोपारा में पत्थर खदान में मिली लाश की गुत्थी को पेल्हार पुलिस ने सुलझाने में सफलता हासिल कर ली है। शुरूआत में इसे आकस्मिक मौत बताया गया। लेकिन आगे की जांच में पता चला कि यह हत्या थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक के दोस्त ब्रिजेश चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया है। 17 जनवरी 2024 को नालासोपारा पूर्व के धानिव पंडरीपाड़ा स्थित एक खदान में ब्रिजेश चौरसिया (41) का शव मिला था। शराब के नशे में 60 फीट की ऊंचाई से गिरने से उनकी मौत हो गई। उसकी जेब से शराब की बोतल मिली। इसलिए, पेल्हार पुलिस ने निष्कर्ष निकाला कि वह शराब के नशे में गिर गया होगा और इस मामले में मौत का मामला दर्ज किया गया था। इस बीच मृतक ब्रिजेश चौरसिया की बहन ने संदेह जताया है। इसलिए पुलिस ने दोबारा मामले की जांच शुरू कर दी। ब्रिजेश की जेब से बलराम यादव (27) का आधार कार्ड मिला। पुलिस ने उससे पूछताछ की लेकिन उसने मेरा आधार कार्ड खो दिया था और पुलिस को बताया कि मैं ब्रिजेश को नहीं जानता। पुलिस के पास कोई सबूत नहीं था। इसलिए पुलिस ने यादव के मोबाइल की सीडीआर (कॉल डिटेल) निकाली। तब उसके और ब्रिजेश के संपर्क में होने का पता चला। इसके बाद पुलिस ने बलराम को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पैसों के विवाद के चलते हत्या कर दी गई

मृतक ब्रिजेश और बलराम दोस्त थे। बलराम ने ब्रिजेश से 55 हजार रुपये उधार लिये थे। इसके लिए ब्रिजेश ने बलराम का पीछा किया। एक बार तो उसने बलराम को बंद करके पीटा भी था। इस बात से बलराम क्रोधित हो गये। 17 जनवरी को दोनों वालिव से शराब पीकर लौट रहे थे। सड़क पर एक खदान थी। आसपास कोई नहीं था। इस मौके का फायदा उठाकर बलराम ने ब्रिजेश को धक्का देकर गिरा दिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त जयंत बाजबाले, पेल्हार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र वनकोटी, पुलिस निरीक्षक कुमार गौरव धडवाड (अपराध) अपराध जांच शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सोपान पाटिल की टीम ने हत्या की गुत्थी सुलझाई और आरोपियों को गिरफ्तार किया।

लापरवाही से बर्बाद हुआ लाखों लीटर पानी, कर्मचारियों की उड़ी नींद

नवी मुंबई : नवी मुंबई के कोपरखैरणे में जल आपूर्ति कर्मचारी रात में सो गए और ठीक उसी समय मुख्य वाल्व टूट गया। इससे तीन टंकी कार्यालय के पास बनी चाली में लाखों लीटर पानी घुस गया। इस जगह पर बाढ़ जैसे हालात थे। कुछ निवासी जल आपूर्ति कार्यालय गए और कर्मचारियों को जगाया। फिर पानी बंद कर दिया गया, लेकिन सुबह 11 बजे तक पानी की निकासी नहीं हुई। कोपरखैरणे को पानी की आपूर्ति करने वाले तीन टैंक कार्यालयों में जल आपूर्ति कर्मचारी 24 घंटे बारी-बारी से (शिफ्ट के अनुसार) मौजूद रहते हैं। जलपूर्ति के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सतर्क रहना अनिवार्य है। हालाँकि, रात की पाली के कर्मचारी अक्सर सोते हैं। ऐसा ही कुछ कोपरखैरणे में हुआ। परिचारक सो गया और सुबह लगभग 4 बजे मुख्य चैनल से पानी लाया गया। दुर्भाग्य से उस दबाव में वाल्व टूट गया। इस टूटे वॉल्व से भारी मात्रा में पानी का रिसाव होने लगा। इस कार्यालय के बगल में बनी चाली में पानी घुस गया है।

ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद सभी घरों में पानी घुस गया है। जिन घरों का लेवल अन्य घरों से नीचा है, वहां घुटनों तक पानी भर गया है। तीन-चार घंटे बाद पानी रिसने से लोग जगे, जिससे स्थिति बिगड़ गयी। यह पता लगाने के बाद कि वास्तव में क्या हुआ, पानी कहां से आ रहा था, कुछ निवासी जल आपूर्ति कार्यालय गए और वहां के कर्मचारियों को जगाया। स्थानीय निवासी तुकाराम म्हात्रे ने बताया कि इसके बाद कर्मचारियों ने युद्धस्तर पर काम कर पानी का रिसाव रोका। एक अन्य निवासी रवींद्र म्हात्रे ने गुस्से में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वाल्व टूटना एक दुर्घटना हो सकती है, लेकिन कर्मचारियों का जागते नहीं रहना एक मानवीय भूल है। कर्मचारियों की गलती से यह स्थिति उत्पन्न हुई है और उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वॉल्व की मरम्मत कराई जाएगी और ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। यह प्रतिक्रिया कार्यकारी अभियंता अरविंद शिंदे ने दी।

कार में मिला शव

मुंबई: मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर मस्तान नाका फ्लाईओवर के पास एक होटल की पार्किंग में एक कार में एक शव सड़ता हुआ मिला। मृतक की पहचान प्रभाकर ढाक (उम्र 52 वर्ष) के रूप में हुई है और वह वाडा शहर का निवासी था। ढाक पिछले तीन दिनों से लापता था। इसलिए उसके परिवार ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान उनकी कार मस्तान नाका फ्लाईओवर के पास मिलन होटल की पार्किंग में मिली। ढाक इसी कार में मृत पाए गए थे। यह कार पिछले दो दिनों से होटल की पार्किंग में खड़ी थी। गर्मी के कारण उसका शव खराब हो गया। पुलिस ने ढाक का शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया है और मनोर पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मुंबईवासी सावधान : यहां हो रही है दूषित जलापूर्ति... नागरिक हैरान

मुंबई: विक्रोली के कन्नमवार नगर में टूटे हुए पानी के पाइप की मरम्मत कर दी गई है और पानी की आपूर्ति बहाल कर दी गई है। हालांकि, कई इलाकों में अपर्याप्त और दूषित जलापूर्ति से नागरिक हैरान हैं। कन्नावर कस्बे में पिछले कुछ दिनों से पानी की पाइप फट जाने के कारण क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई हो रही थी। इसलिए, नगर पालिका ने दूषित जल आपूर्ति के स्थान का पता लगाने के लिए कार्रवाई की। जल चैनल की मरम्मत का काम पूरा हो गया है और पानी की आपूर्ति बहाल कर दी गई है। आज सुबह निर्धारित समय से देर से पानी की सप्लाई हुई। इससे नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ी। जल चैनल के मरम्मत कार्य के कारण कुछ क्षेत्रों में जल आपूर्ति दूषित हो गई थी। हालांकि जल अभियंत्रण विभाग ने बताया कि जलापूर्ति सुचारू होने के बाद दूषित पानी की आपूर्ति नहीं होगी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com